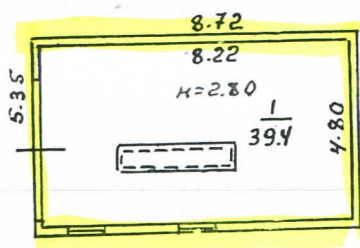
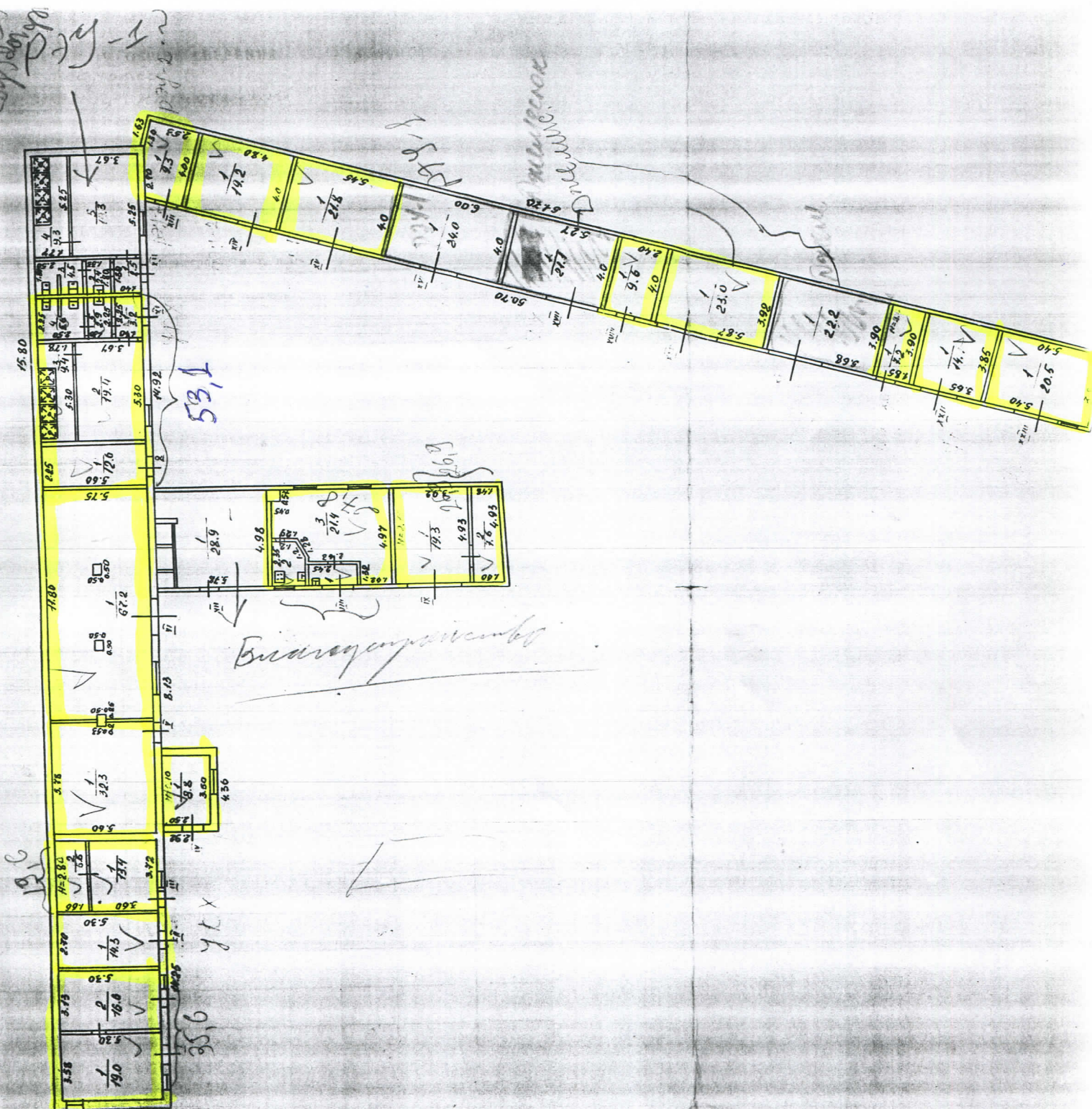


Лист 1



МЖКХ	Нерингомбисское бюро технической инвентаризации		РСФСР
Лист	План по Менделеева 1/39.4		Масштаб 1:100
Дата	Исполнителя	Фамилия, имя, отчество	Подпись
4.04.00	техник	Огородко З.В. Огородко	
4.04.00	Бригадир	Светловский	
	Нач. бюро	Менделеев	

Met. 2



Дата записи и литеры по плану						Этажи (начиная с 1 этажа и кончая мезонином)		Номер помещения (квартиры, торгового, складского и т. п.)		Назначение частей помещения, жилой комнаты, канцелярское помещение, классная комната, кухня, коридор и т. п.		Формула подсчета площади, по внутреннему обмеру		жилые		основная		вспомогат. (подсобная)		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная		вспомогат.		основная	
-------------------------------	--	--	--	--	--	--	--	---	--	--	--	---	--	-------	--	----------	--	------------------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--	------------	--	----------	--

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
III		1	перфор							2.8									2.8	2.70
		2	бышковая							3.6									3.6	"
		3	рабочий						21.4										21.4	"
			Итого:						21.4	6.4									21.8	"
IV		1	гаран								19.3								19.3	"
		2	снаряд										7.6						7.6	"
			Итого:								19.3		7.6						26.9	"
V		1	бойлерная						12.6										12.6	2.80
			Итого:						12.6										12.6	"
VI		1	перфор							3.2									3.2	"
		2	разрезная							19.4									19.4	"
		3	ручьевая						9.4										9.4	"
		4	туалетный						5.6										5.6	"
		5	туалетный						2.9										2.9	"
			Итого:						40.5										40.5	"
VII		1	перфор							2.5									2.5	"
		2	туалетный						2.4										2.4	"
		3	туалетный						4.5										4.5	"
		4	ручьевая						9.3										9.3	"
		5	разрезная						19.3										19.3	"
			Итого:						38.0										38.0	"

тавил техник

Ожарский

Проверил бригадир

Начальник БТИ

Венчик

ЭКСПЛИКАЦИЯ

Приложение № 1
на нежилые и жилые строения, име-
ющие встроенные не жилые помеще-
ния

Среднестроительские по ул. Меркурьевской № 342

к поэтапному плану строения, расположенного в гор. (пос.)

Площадь по внутрен. обмеру в кв. м., в т. ч. предназн. под помещения

Площадь по внутрен. обмеру в кв. м., в т. ч. предназн.										жилое		прочие помещения										вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.		вспомогат.	
--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	-------	--	------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--	------------	--

XXI	скал					7.2	7.2	2.0
		Итого:				7.2	РХ-1	7.2
XXII	аккумулятор		14.1					14.1
		Итого:	14.1				УКХ	14.0
XXIII	сварочный		20.5					20.5
		Итого:	20.5				УКХ	20.5
		Всего:	160.1	101.5	19.3	203.6		544.5
							Итого:	410.3

Составил техник

Огород

Проверил бригадир

Начальник БТИ

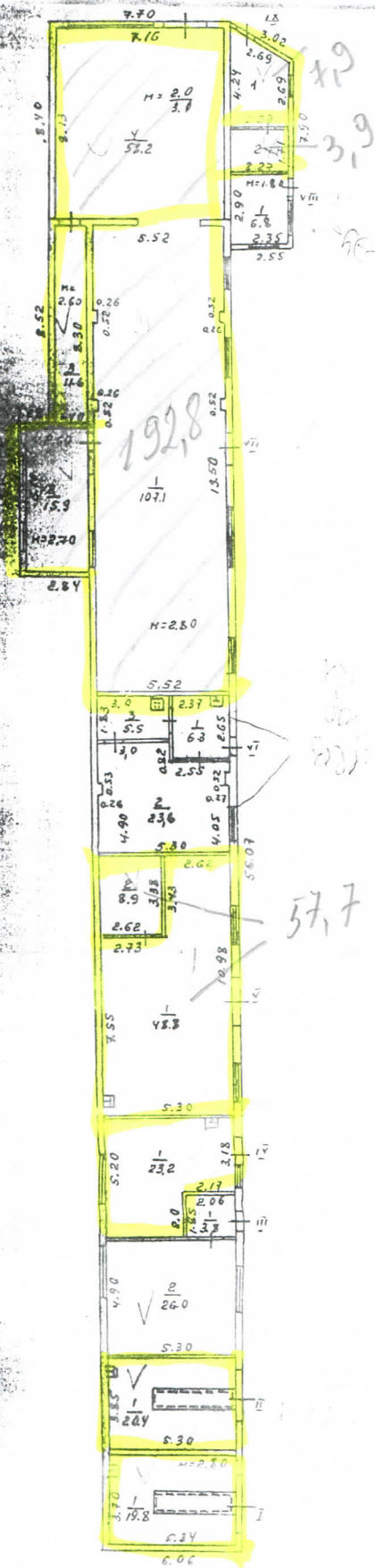
Иванов

Н. т. З. 4328-1000

Поэтапному плану строения, расположенного в гор. (дос.) в т.ч. предназн. под помещения

Площадь по внутрен. обмеру										сметает										
Литера по плану	Этажи (начиная с 1 этажа и кончая мезонином)	Номер помещения (квартиры, торгового, складского и т.п.)	Номер по плану строения комнаты, кухни, коридора и т.п.	Назначение частей помещения, жилых комнат, канцелярское помещение, классическая комната, бытовая комната, кухня, коридор и т.п.	Формула подсчета площади, по внутреннему обмеру	жилые										Итого общеплощадной площадью (по квартирам, этажам, строениям)	Высота помещений			
						основная	вспомогат.-тепловая (подсобная)	основная	вспомогат.-тепловая	основная	вспомогат.-тепловая	основная	вспомогат.-тепловая	основная	вспомогат.-тепловая					
1					6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
B	I	I	I	склад	Умного!									15.1	15.1					15.1
														15.1	15.1					15.1
														78.4	78.4					78.4
														78.4	78.4					78.4
														29.9	29.9					29.9
														29.9	29.9					29.9
														26.8	26.8					26.8
														26.8	26.8					26.8
														21.9	21.9					21.9
														21.9	21.9					21.9
														27.6	27.6					27.6
														27.6	27.6					27.6
														199.7	199.7					199.7
												</								

Итого: 172.1



МЖКХ	Правительственное бюро технической инвентаризации		РСФСР
Лист	1/1		Масштаб
М	по ул. Мухоморова		№
Датум	Исполнители	Фамилия, имя отчество	Подпись
11.09.00	Техник	Сорокин В.А.	Сорокин В.А.
	Бригадир		

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22
		107,1		107,1						107,1	15,9									107,1	5,80
		15,9		15,9						15,9										15,9	"
		11,6		11,6						11,6										11,6	"
		58,2		58,2						58,2										58,2	"
		192,3		192,3						192,3										192,3	"
		6,8		6,8						6,8										6,8	"
		6,8		6,8						6,8										6,8	"
		7,9		7,9						7,9										7,9	"
		3,9		3,9						3,9										3,9	"
		7,9		7,9						7,9										7,9	"
		3,9		3,9						3,9										3,9	"
		397,7		397,7						397,7										397,7	"
		325,7		325,7						325,7										325,7	"

Составил техник *Андрей*

Проверил бригадир

Начальник БТИ